Literacy for a Billion

Movie: Gumrah 1963
Year: 1963

Song: Chalo Ek Baar Phirse
Lyricist: Sahir Ludhianvi

चलो इक बार फिर से
अजनबी बन जाएँ हम दोनों
चलो इक बार फिर से
अजनबी बन जाएँ हम दोनों

न मैं तुमसे कोई उम्मीद रखूँ
दिल नवाजी की
न तुम मेरी तरफ देखो
गलत अंदाज नज़रों से
न मेरे दिल की धड़कन
लड़खड़ाये मेरी बातों में
न जाहिर हो
तुम्हारी कश-म-कश का राज नज़रों से

चलो इक बार फिर से
अजनबी बन जाएँ हम दोनों
चलो इक बार फिर से
अजनबी बन जाएँ हम दोनों

तुम्हें भी कोई उलझन
रोकती है पेशकदमी से
मुझे भी लोग कहते हैं
कि ये जलवे पराये हैं
मेरे हमराह भी
रूसवाइयाँ हैं मेरे माजी की

मेरे हमराह भी
रूसवाइयाँ हैं मेरे माजी की

तुम्हारे साथ भी
गुजरी हुई रातों के साये हैं

चलो इक बार फिर से
अजनबी बन जाएँ हम दोनों
चलो इक बार फिर से
अजनबी बन जाएँ हम दोनों

तारूफ रोग हो जाए तो
उसको भूलाना बेहतर
ताल्लूक बोझ बन जाए तो
उसको तोड़ना अच्छा
वो अफसाना जिसे अंजाम तक
लाना न हो मुंमकिन
वो अफसाना जिसे अंजाम तक
लाना ना हो मुंमकिन

उसे इक खूबसूरत मोड़ देकर
छोड़ना अच्छा

चलो इक बार फिर से
अजनबी बन जाएँ हम दोनों
चलो इक बार फिर से
अजनबी बन जाएँ हम दोनों
चलो इक बार

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.